भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 626

गुरूवार, 24 जुलाई, 2025/2 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

विरासत समृद्ध जिलों में पर्यटन विकास और ग्रामीण रोजगार

626 श्रीमती गीता उर्फ चन्द्रप्रभा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन या प्रसाद योजनाओं के अंतर्गत विकास हेतु इटावा और औरैया जैसे अल्पविकसित किन्तु विरासत-समृद्ध जिलों में पर्यटन की संभावनाओं की पहचान की है;

(ख) इन स्थानों पर पर्यटन संवर्धन के लिए संस्वीकृत ग्रामीण अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या और स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार ने पर्यटन से जुड़े होमस्टे मॉडल, सांस्कृतिक परिपथ या आजीविका सृजन योजनाएँ बनाई हैं; और

(घ) इन परियोजनाओं के माध्यम से कितना ग्रामीण रोजगार सृजित किया गया है और ऐसी परियोजनाओं में स्थानीय महिलाओं की क्या भूमिका है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन स्थलों और पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालाँकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' - स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता (एसीए)' नामक योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को निधि की उपलब्धता, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और राज्य सरकार द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की प्रस्तुति आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करके पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने राज्यों को पर्यटन परियोजनाओं के विकास के लिए 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)' की अपनी पहल के तहत भी वित्तीय सहायता प्रदान की है। उपर्युक्त योजनाओं के तहत पर्यटन मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश राज्य को पर्यटन परियोजनाओं के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है, जिसका ब्यौरा **अनुबंध** में है।

परियोजनाओं की पहचान संबंधित राज्य सरकारों द्वारा प्रस्तुत परियोजना प्रस्तावों, निर्धारित मापदंडों पर तथा योजना दिशानिर्देशों में विस्तृत संस्थागत ढांचे के अनुरूप उनकी जांच के आधार पर की जाती है।

वर्तमान में, इस संबंध में जारी योजना दिशानिर्देशों और अन्य अनुदेशों के अनुरूप, इटावा और औरैया जिलों में परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा पर्यटन मंत्रालय के समक्ष कोई प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है।

जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, पर्यटन मंत्रालय ने हाल ही में राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रस्ताव तैयार करने के लिए टेम्पलेट के साथ-ही 'जनजातीय क्षेत्रों में होमस्टे के विकास' के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

*****

अनुबंध

श्रीमती गीता उर्फ चन्द्रप्रभा द्वारा विरासत समृद्ध जिलों में पर्यटन विकास और ग्रामीण रोजगार के संबंध में दिनांक 24.07.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 626 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

पर्यटन मंत्रालय की योजनाओं के तहत उत्तर प्रदेश राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:-

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**परिपथ/ स्वीकृति वर्ष**	**स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)**
	स्वदेश दर्शन		
1.	श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास	बौद्ध परिपथ 2016-17	87.89
2.	चित्रकूट एवं श्रृंगवेरपुर का विकास	रामायण परिपथ 2016-17	69.45
3.	अहर - अलीगढ़ - कासगंज - सरोसी (उन्नाव) - प्रतापगढ़ - कौशांबी - मिर्जापुर - गोरखपुर - डुमरियागंज - बस्ती - बाराबंकी - आजमगढ़ - कैराना - बागपत - शाहजहांपुर का विकास	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	71.91
4.	बिजनौर - मेरठ - कानपुर - कानपुर देहात - बांदा - गाजीपुर - सलेमपुर - घोसी - बलिया - अम्बेडकर नगर - अलीगढ़ - फतेहपुर - देवरिया - महोबा - सोनभद्र - चंदौली - मिश्रिख - भदोही का विकास	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	67.51
5.	कालिंजर किला (बांदा) - मगहर धाम (संतकबीर नगर) - चौरीचौरा, शहीद स्थल (फतेहपुर) - महुआर शहीद स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास	विरासत परिपथ 2016-17	36.65
6.	अयोध्या का विकास	रामायण परिपथ 2017-18	127.21
7.	जेवर - दादरी - सिकंदराबाद - नोएडा - खुर्जा - बांदा का विकास	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	12.03
8.	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) एवं वटवाशिनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	18.30
	प्रशाद योजना		
1.	वाराणसी का विकास - चरण-I	2015-16	18.73

2.	मथुरा - वृंदावन का मेगा पर्यटक परिपथ के रूप में विकास (चरण-II)	2014-15	10.98
3.	वाराणसी में नदी क्रूज पर्यटन का विकास	2017-18	9.02
4.	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014-15	9.36
5.	वाराणसी का विकास - चरण II	2017-18	44.60
6.	गोवर्धन में बुनियादी सुविधाओं का विकास	2018-19	37.59
स्वदेश दर्शन 2.0			
1.	आज़ाद पार्क और देखो प्रयागराज ट्रेल अनुभव	2023-24	14.52
2.	नैमिषारण्य में वैदिक - कल्याण अनुभव	2023-24	17.80
चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)			
1.	महोबा में सांस्कृतिक भू-दृश्य का विकास	2024-25	24.98
केंद्रीय एजेंसियों को सहायता			
1.	आगरा कैंट रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	2013-14	5.05
2.	रायबरेली रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	2013-14	4.44
3.	वाराणसी/सारनाथ में स्मारकों की प्रकाश व्यवस्था (सारनाथ में धमेख स्तूप, सारनाथ में चौखंडी स्तूप, सारनाथ में लालकन का मकबरा और बनारस में मान महल)	2014-15	5.12
4.	उत्तर प्रदेश के वाराणसी में तीन स्मारकों की प्रकाश व्यवस्था - 1. दशाश्वमेध घाट से दरभंगा घाट (300 मीटर का विस्तार) 2. तुलसी मानस मंदिर 3. सारनाथ संग्रहालय	2017-18	2.93
पूंजी निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)			
1.	जिला-आगरा में बटेश्वर का विकास	2024-25	74.05
2.	श्रावस्ती में एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास	2024-25	80.24

*****